



आरत का राजपत्र

The Gazette of India

EXTRAORDINARY

भाग II—काल ३—खण्ड (II)

PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्राविकार से प्राप्ति

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 504]

नई दिल्ली, बुधवार, महानंद ३०, १९७७/अग्रहायण ९, १८९९

No. 504] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 30, 1977/AGRAHAYANA ९, १८९९

इस भाग में विभिन्न प्रकार के अलग संबंधों के लिए रजत वा चारे।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION:

ORDER

New Delhi, the 30th November 1977

S.O. 794(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order further to amend the Jute (Licensing and Control) Order, 1961, namely,—

1. (1) This Order may be called the Jute (Licensing and Control) Amendment Order, 1977.

(2) It shall come into force at once.

2. In the Jute (Licensing and Control) Order, 1976,—

(i) In sub-clause (c) clause 2, for the words "in a State"; the word "also" shall be substituted,

(ii) to sub-clause (1) of clause 3, the following provisos shall be added, namely—

"Provided that the Jute Commissioner may, by notification in the Official Gazette, exempt any such person or class of such persons from the provisions of this sub clause."

Provided further that in granting such exemption under the preceding proviso the Jute Commissioner shall have regard to the following matters, namely:—

- (i) the volume of business in raw jute or jute textiles carried on by such person or class of such persons;
 - (ii) the quantity of raw jute or jute textiles in the possession of such person or class of such persons;
 - (iii) the period for which the stocks of raw jute or jute textiles are ordinarily held by such person or class of such persons for the purpose of sale or storage,
 - (iv) price situation and availability position of raw jute or jute textiles in the country, and
 - (v) any other relevant factors;
- (iii) for item (b) of sub-clause (2) of clause 9A, the following shall be substituted, namely:—
- “(b) the maximum quantity of raw jute which the manufacturer has had in his possession during the period of two years immediately preceding the commencement of the Jute (Licensing and Control) Amendment Order, 1977”.

[No. F.9/20/74-Jute]
B. L. DAS, Jt. Secy

ब्राइल, भारतीय पूर्ति और सहकारिता मंजालव

आदेश

नई दिल्ली, 30 नवम्बर, 1977

शो. शो. 794(अ).—केन्द्रीय सरकार, आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 16) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयापण करते हुए, पटसन (अनुशापन और नियंत्रण) आदेश, 1961 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित आदेश कस्ती है, अर्थात् :—

1. (1) इस आदेश का नाम पटसन (अनुशापन और नियंत्रण) संशोधन आदेश, 1977 है।

(2) यह तुरन्त प्रभूत होगा।

2. पटसन (अनुशापन और नियंत्रण) आदेश, 1961 में,—

(i) खण्ड 2 के उपखण्ड (ग) में, “किसी राज्य में” शब्दों का सोश्य किया जाएगा;

(ii) खण्ड 3 के उपखण्ड (1) में, निम्नलिखित परम्परा जोड़े जाएंगे, अर्थात्,—

“परन्तु पटसन आयुक्त, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा, इस उपखण्ड के सुप्रभावों से ऐसे किसी व्यक्ति या ऐसे व्यक्तियों के वर्ग की सूट वे सकेगा :

परन्तु यह और कि पूर्ववर्ती उपबन्ध के अधीन ऐसी सूट देने में पटसन आयुक्त निम्नलिखित बातों का ध्यान रखेगा, अर्थात् :—

(i) ऐसे व्यक्ति या ऐसे व्यक्तियों के वर्ग द्वारा चलाए गए कच्चे पटसन या पटसन वस्त्रों में कारबाह का परिमाण;

(ii) ऐसे व्यक्ति या ऐसे व्यक्तियों के वर्ग के कच्चे में कच्चे पटसन या पटसन वस्त्रों की मात्रा,

- (iii) यह अधिकारी, जिसके लिए कठबे पटसन या पटसम वस्त्रों के स्टाक विक्रय या भण्डारकरण के प्रयोजनार्थ ऐसे व्यक्ति या ऐसे व्यक्तियोंके बगैंचारा साधारणतः रोके रखे जाते हैं ।
- (iv) देश में कठबे पटसन या पटसम वस्त्रों की कीमत-स्थिति और उपलब्धता-स्थिति; सथा
- (v) कोई अन्य सुसंगत कारक¹ ।
- (iii) खण्ड 9के उपखण्ड (2) की मद (आ) के स्थान पर, निम्नलिखित रस्ता आएगा,
अर्थात् :—
- "(आ) कठबे पटसन की यह अधिकतम मात्रा, जो पटसन (अनुशापन और नियन्त्रण)
संशोधन आदेश, 1977 के प्रारम्भ के ठीक पूर्यवर्ती दो वर्षों की अवधि के द्विरात्रि
विनियमिता ने अपने कठबे में रखी हुई थी" ।
- [सं० फा० 9/20/74—पटसन]
धी० एस० शास, संयुक्त सचिव :

